शैक्षिक सत्र–2026–27

विषय– संगीत (वादन)

(कक्षा–9)

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न–पत्र 3 घंटे 15 मिनट का होगा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट/आन्तरिक मूल्यांकन कार्य होगा।

संगीत वादन पाठ्यक्रम दो भागों में क्रमशः प्रथम भाग अवनद्ध वाद्य (तबला एवं पखावज) तथा द्वितीय भाग सितार एवं अन्य तंत्र वाद्य विभाजित है। परीक्षार्थियों को दोनों में से किसी एक भाग का चयन कर अध्ययन कर सकते है। प्रत्येक भाग के लिए 70 अंक निर्धारित है तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट/आन्तरिक मूल्यांकन कार्य होगा।

प्रथम भाग

अवनद्ध वाद्य (तबला एवं पखावज)

इकाई–1 सांगीतिक शब्दों की व्याख्या एवं अध्ययन–मात्रा, लय, खाली, ताली, भरी, सम, ताल, तिहाई, टुकड़ा, परन, कायदा, ठेका, दुगुन, **प्रोजेक्ट कार्य।** **16 अंक**

इकाई–2 वाद्य के इतिहास का अध्ययन– तबले का जन्म एवं विकास। **08 अंक**

इकाई–3 वाद्य वर्गीकरण का अध्ययन– **08 अंक**

1– तत्, सुषिर, घन, अवनद्ध वाद्य

2– प्रोजेक्ट कार्य।

इकाई–4 चयनित वाद्य का विशेष एवं विस्तृत अध्ययन **10 अंक**

1–चुने गये वाद्य का चित्र एवं अंगों के नाम।

2– अपने चुने गये वाद्यों का अंग वर्णन।

3– चयनित वाद्य के बोल एवं उनके प्रकारों के निकास विधि का अध्ययन।

इकाई–5 ताल लिपि पद्धतियों का अध्ययन **05 अंक**

1– भातखण्डे काललिपि पद्धति एवं विष्णु दिगम्बर काललिपि पद्धति का वर्णन एवं तुलनात्मक अध्ययन।

2– तालों का तुलनात्मक अध्ययन, पारिभाषित शब्दों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–6 हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के तालों का अध्ययन **15 अंक**

1– तालों की विशेषताएं।

2– तीनताल, झपताल, दादरा, एकताल का परिचय।

3– दादरा, रूपक एवं सूलताल तालों के साधारण ठेके तथा उनको दुगुन में ताली देकर बोलने का अभ्यास।

4– तीनताल, झपताल, दादरा, एकताल में परिचय, प्रत्येक में दो कायदा टुकड़े, तिहाइयां लिखने तथा बजाने की योग्यता।

5– ठेके के कुछ बोलों के आधार पर तालों को पहचानना।

6– प्रोजेक्ट।

इकाई–7 जीवनी एवं निबन्ध– **08 अंक**

1– पं0 विष्णु नारायण भातखण्डे, अमीर खुसरो का जीवन परिचय एवं उनके सांगीतिक योगदान का वर्णन।

2– किसी संगीत समारोह का आंखों देखा वर्णन।

3– मानव जीवन में संगीत का महत्व एवं प्रभाव इत्यादि पर सामान्य निबन्ध।

प्रोजेक्ट कार्य

नोट :– किन्हीं तीन का चयन कर प्रोजेक्ट तैयार कीजिये।

1–अपने वाद्य को सचित्र चार्ट द्वारा प्रदर्शित कीजिये।

2–हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के किसी प्रसिद्ध संगीतज्ञ के संगीत में दिये योगदान को वर्णित कीजिये।

3–खुले बोल व बन्द बोलों की तालों को उदाहरण सहित अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखिये।

4–वाद्यों के वर्गीकरण को समझाते हुये प्रत्येक प्रकारों के कुछ चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में चिपकाइये।

5–अपने वाद्य की परम्परा को बताते हुये किसी प्रसिद्ध घराने की चर्चा कीजिये।

6–उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत के कुछ प्रसिद्ध कलाकारों की सूची बनाकर उनको दिये जाने वाले पुरस्कार व क्षेत्र को बताइये।

7–किसी महान संगीतज्ञ का चित्र बनाकर संक्षिप्त जीवन परिचय चार्ट के माध्यम से दीजिये।

8–किसी संगीत समारोह का आँखों देखा हाल अपने शब्दों में वर्णित कीजिये।
9–संगीत के किसी एक वाद्य का मॉडल बनाइये।
10–शास्त्रीय संगीत के कुछ प्रसिद्ध वाद्यों के चित्र एकत्रित कर उन्हें बजाने वाले कलाकारों के नाम चित्र सहित सम्मुख लगाइये।

द्वितीय भाग

(सितार एवं अन्य तंत्र वाद्य)
(सरोद, इसराज, दिलरुबा, बाँसुरी, गिटार आदि)

इकाई–01 सांगीतिक शब्दों की व्याख्या एवं अध्ययन **20 अंक**

संगीत, श्रुति, स्वर एवं स्वरों के प्रकार, अलंकार, चयनित वाद्यों के बोलों का अध्ययन, आरोह, अवरोह, पकड़, आलाप, तोड़ा, थाट, राग, वादी स्वर, संवादी स्वर, विवादी स्वर, अनुवादी स्वर, वर्जित स्वर, लय, ताल, ताली, खाली, मात्रा, सम, तिहाई, गत एवं गत के प्रकार।

इकाई–02 संगीत एवं वाद्य के इतिहास का अध्ययन **05 अंक**

1. हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्राचीन काल का संक्षिप्त इतिहास।
2. चुने गए वाद्य विशेष का जन्म एवं उसका प्रारंभिक इतिहास।

इकाई–03 वाद्य वर्गीकरण का अध्ययन **05 अंक**

तत्, वितत्, अवनद्ध, घन एवं सुषिर वाद्य।

इकाई–04 चयनित वाद्य का विशेष एवं विस्तृत अध्ययन **08 अंक**

1. चुने गए वाद्य का चित्र एवं अंगों के नाम।
2. अपने चुने गए वाद्यों का अंग वर्णन।
3. लिए गए वाद्य के तारों की संख्या एवं उनके नाम।
4. चयनित वाद्य के बोल एवं उनके प्रकारों के निकास विधि का अध्ययन।

इकाई–05 हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के रागों का अध्ययन **15 अंक**

1. राग यमन एवं राग खमाज का विस्तृत अध्ययन।
2. राग बिलावल एवं राग आसावरी तथा राग भूपाली में रज़ाखानी गत सहित सामान्य अध्ययन।
3. पाठ्यक्रम के रागों में गतों को लिपिबद्ध करने का अध्ययन।
4. स्वर समूहों के माध्यम से रागों को पहचानने की योग्यता।

इकाई–06 तालों का अध्ययन **10 अंक**

1. ताल दादरा, ताल कहरवा, ताल तीनताल का सामान्य परिचय।
2. पाठ्यक्रम के तालों में ठाह, दुगुन की लयकारी का लिखित एवं प्रयोगात्मक अध्ययन।

इकाई–07 जीवनी एवं निबन्ध **07 अंक**

1. पं० विष्णु नारायण भातखण्डे, अमीर खुसरो का जीवन परिचय एवं उनके सांगीतिक योगदान का वर्णन।
2. मानव जीवन में संगीत का महत्व एवं प्रभाव इत्यादि पर सामान्य निबन्ध।

प्रोजेक्ट कार्य

निर्देश– शिक्षक प्रति माह सैद्धान्तिक शिक्षण कार्य के साथ–साथ प्रोजेक्ट कार्य कराते रहेंगें।

नोट– किन्हीं तीन विषयों का चयन कर प्रोजेक्ट कार्य तैयार कीजिए। (अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी दे सकते हैं।)

1. अपने वाद्य को सचित्र चार्ट के माध्यम से प्रदर्शित कीजिए।
2. संगीत के किसी एक वाद्य का मॉडल बनाइए।
3. उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत के कुछ प्रसिद्ध कलाकारों की सूची बनाकर उन्हें प्राप्त पुरस्कारों के नाम लिखिए।
4. शास्त्रीय संगीत के कुछ प्रसिद्ध वाद्यों के चित्र एकत्रित कर उनके नाम लिखिए।
5. शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध कलाकारों के चित्र नामांकित करते हुए चार्ट के माध्यम से प्रदर्शित कीजिए।
6. किसी एक महान संगीतज्ञ का चित्र बनाकर अभ्यास पुस्तिका में जीवन परिचय लिखिए।
7. किसी संगीत समारोह का आँखों देखा हाल अपने शब्दों में अपनी अभ्यास पुस्तिका में वर्णित कीजिए।
8. वाद्य वर्गीकरण के प्रत्येक प्रकारों को कुछ चित्रों के माध्यम से अपनी अभ्यास पुस्तिका में चिपकाइए।
9. अपने वाद्य के प्रथम घराने के बारे में लिखते हुए किसी प्रसिद्ध घराने की चर्चा कीजिए।

10. चल, अचल ठाठ के बारे में अभ्यास पुस्तिका में लिखिए।

शैक्षिक सत्र 2026–27 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन– **30 अंक**

1–प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन – (MCQ पर आधारित)	अगस्त माह	10 अंक
2–द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन –(वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	दिसम्बर माह	10 अंक
3–तृतीय आन्तरिक मूल्यांकन–(चार यूनिट टेस्ट आधारित)		10 अंक
(i) प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	जुलाई द्वितीय सप्ताह	20 अंक
	(10 अंक ग्रीष्मावकाश ग्रहकार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)	
(ii) द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	अगस्त अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iii) तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	नवम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iv) चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	दिसम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक

नोटः– चारों यूनिट टेस्ट के प्राप्तांकों के योग को 10 अंक में परिवर्तित किया जाय।